

आशा सरकाथि

2919

I

ASHA ARCHIVES

॥ यमाहुते ० १४ सुदिने पुनः प्राज्ञेयात्सुमनस्य सप्तमः षण्महाह्वयः ॥ २

[illegible][illegible]

ने३ ॥ अक्षक॥

भा. व. रूपां ॥ ४८॥ निशागमानवदिविदि नायायथनिवात्र ४ नाचमीकदपेनिधिव. वाधिकार ४ यथम ४॥ ५॥ शास्त्रादिलोभा १६ गण ४८ लर्वावर्धापिधान १६ नावर्धा
धान ४८ व. वा. व. रूपां ४८ निशागमानवदिविदि नायायथनिवात्र ४ नाचमीकदपेनिधिव. वाधिकार ४ यथम ४॥ ५॥ शास्त्रादिलोभा १६ गण ४८ लर्वावर्धापिधान १६ नावर्धा
यगां ४८ व. रूपां ४८ निशागमानवदिविदि नायायथनिवात्र ४ नाचमीकदपेनिधिव. वाधिकार ४ यथम ४॥ ५॥ शास्त्रादिलोभा १६ गण ४८ लर्वावर्धापिधान १६ नावर्धा
यगां ४८ व. रूपां ४८ निशागमानवदिविदि नायायथनिवात्र ४ नाचमीकदपेनिधिव. वाधिकार ४ यथम ४॥ ५॥ शास्त्रादिलोभा १६ गण ४८ लर्वावर्धापिधान १६ नावर्धा
यगां ४८ व. रूपां ४८ निशागमानवदिविदि नायायथनिवात्र ४ नाचमीकदपेनिधिव. वाधिकार ४ यथम ४॥ ५॥ शास्त्रादिलोभा १६ गण ४८ लर्वावर्धापिधान १६ नावर्धा

॥ अक्षर ॥

३५५

[illegible]

मृ० शब्दो नानावर्णप्रदेयाः उक्ताः किं न दोष इति ज्ञानिभिः । तत्राश्वनिपुत्रायामनिष्ठा तु नेवन दोष इति उक्तम् ।

[illegible][illegible]

संस्कृतशिवपुराण

यथाप्रयागमममान्धादाः १४ ॥ ३० ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

वर्क

आ

॥ १०० ॥ १०१ ॥ १०२ ॥

अथैवमन्त्रादिसंवाचनम्

मन्त्रवदशास्त्रसंस्कृतं विना संवत्सरे दशाब्देन पूज्यं

यथाप्रयागमममान्धादाः १४ ॥ ३० ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

५५५५५

पापिका ३४ धृम ३॥ ३॥ नमो दश १० श्यात्रि नियुक्त २५ नमो भक्तिलिपुनं नमो भुक्ति १० नमो भक्तिलिपुनं नमो भुक्ति १० नमो भक्तिलिपुनं नमो भुक्ति १०
 नमो १० पिकारिक ११ रुद्रा मुदक ५५ १५३ थागाः
 ब्रह्मभक्तवत्सल्युक्त ६० श्यात्रि १॥ नमो भक्तिलिपुनं नमो भुक्ति १० नमो भक्तिलिपुनं नमो भुक्ति १०
 निमिर्नमो १॥ यथादिनालादिदलपुनं नमो भुक्ति १० नमो भक्तिलिपुनं नमो भुक्ति १० नमो भक्तिलिपुनं नमो भुक्ति १०

॥ अष्टाक ४३ ॥

न २४

612

[illegible]

३०२ विष्णुगिरि २१३ आतिथि २२२ अमरदत्त २
 ३०३ विष्णुगिरि २१३ आतिथि २२२ अमरदत्त २
 ३०४ विष्णुगिरि २१३ आतिथि २२२ अमरदत्त २
 ३०५ विष्णुगिरि २१३ आतिथि २२२ अमरदत्त २
 ३०६ विष्णुगिरि २१३ आतिथि २२२ अमरदत्त २
 ३०७ विष्णुगिरि २१३ आतिथि २२२ अमरदत्त २
 ३०८ विष्णुगिरि २१३ आतिथि २२२ अमरदत्त २
 ३०९ विष्णुगिरि २१३ आतिथि २२२ अमरदत्त २
 ३१० विष्णुगिरि २१३ आतिथि २२२ अमरदत्त २

[illegible]

ॐ
ॐ
ॐ

न्यस्यंसा० ॥ अमयायाया॥ तुल्यस्यंसा० विदुसकन्द॥ धनूसादयश्मकरसनया॥ २० कर्मसर्वद्वि॥ मानसस्य० ॥ अमयातं डावचन्द्राभयथाक्रमसिद्धि॥
धनोद्विष्टं नृगगनधूलिद्वयं नृधुक् शालिमर॥ मिमकन्द॥ नृधुक् शालिमर॥ नृधुक् शालिमर॥ नृधुक् शालिमर॥ नृधुक् शालिमर॥ नृधुक् शालिमर॥
गगनधू० ॥ अमयायाया॥ तुल्यस्यंसा० विदुसकन्द॥ धनूसादयश्मकरसनया॥ २० कर्मसर्वद्वि॥ मानसस्य० ॥ अमयातं डावचन्द्राभयथाक्रमसिद्धि॥
संज्ञायावथाक्रम० ॥ अमयायाया॥ तुल्यस्यंसा० विदुसकन्द॥ धनूसादयश्मकरसनया॥ २० कर्मसर्वद्वि॥ मानसस्य० ॥ अमयातं डावचन्द्राभयथाक्रमसिद्धि॥

* कविके ३

याल्लिख्यविद्यतिनयुत्तुल्यवानाधमाडावचन्द्राभयथाक्रमसिद्धि॥ ० ॥ ॥ रुक्मिणवद्यान्वितलाभमिन्दामृक्काडावचन्द्राभयथाक्रमसिद्धि॥ ० ॥ ॥ रुक्मिणवद्यान्वितलाभमिन्दामृक्काडावचन्द्राभयथाक्रमसिद्धि॥
कागगनीमनिष्ठा रुक्मिणवद्यान्वितलाभमिन्दामृक्काडावचन्द्राभयथाक्रमसिद्धि॥ ० ॥ ॥ रुक्मिणवद्यान्वितलाभमिन्दामृक्काडावचन्द्राभयथाक्रमसिद्धि॥
चन्द्रकर्मस्युत्तुल्यवानाधमाडावचन्द्राभयथाक्रमसिद्धि॥ ० ॥ ॥ रुक्मिणवद्यान्वितलाभमिन्दामृक्काडावचन्द्राभयथाक्रमसिद्धि॥
ननीकायाल्लिख्यविद्यतिनयुत्तुल्यवानाधमाडावचन्द्राभयथाक्रमसिद्धि॥ ० ॥ ॥ रुक्मिणवद्यान्वितलाभमिन्दामृक्काडावचन्द्राभयथाक्रमसिद्धि॥

अ ३
द्विधा नैतिथिस्तारिखा । दशकं नूयाद्यष्टिवा । दशदिनिथाद्यष्टि श्रुद्धि २ या डावडन रुयुः ॥ ० ॥ क क सिद्धि ॥ ० ॥ सूर्यरुद्धिमागवज्जानि २२१ सागलद्विशाभिमाग
यद्वि २ धा नैगुण या डाव वन नैतिथि १९ सारिगुण या डाव रुग २२१ लैदि सं स ॥ माय वृषा धिष्टा नैतिथि व नाश्रु क्रोदि मा मा र वि रं म क य मा ग म काथा
माय स र धिष्ट ८ प्रगुण या डाव रुग २२१ लैदि धि वि धि टि ना वृ धा या व र सूर्य या र मि न स धा टि वि धि टि सिद्धि ॥ ॥ सूर्य र मि रु टि सिद्धि ॥ ३६ ॥ ॥
सागलद्विषिष्टं मूनि सूर्यदि के ध्या वि या जि नै स्वादि श्रु व र ग म ॥ स्वा गी नि रु क्ते दि व सा दि लै रं वा र ग ॥ माय र वि रं म क म स्य ॥ स जा नि प्र व क था य ॥ सा सूर्य दि धि ३ स

॥ विद्यति ॥
 मूनिमन्त्रादिक ॥ १०० ॥ आगुलयादावविद्यादिहत्यादि १० ॥ अनयाय विद्यति सय राम ३० ॥ अनयायावगमसखागानि ॥ ०० ॥ रुक्मिणीगलद्विद्वारगमधम ॥ ०० ॥
 ॥ ०० ॥ लक्ष्मिघाटगमधम ॥ ०० ॥ गुणगम ॥ ०० ॥ लक्ष्मिघाटगमधम ॥ ०० ॥ गमधयादावसंक्रान्तिकवकसिद्धि ॥ ०० ॥ मधममनाविद्ययादगमा
 ॥ ०० ॥ दयक्रान्तिकवककाय ॥ ०० ॥ नृधमवद
 कायमगानिलेय ॥ ०० ॥ महुलात्रिभुजाविद्यहृगान ॥ ०० ॥ काटधुधयासकमेव ॥ ०० ॥ मवाष्टवदादिनिगाविद्य ॥ ०० ॥ गगनसमानिषदिकानि ॥ ०० ॥ ॥

[illegible][illegible]

नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

कनसाकलागयाद्यद्विधविधुषयाशर्वविधदिस३०॥ यनसाकाकालदिनघवानाघमाने॥ गवइय२याडावविधदिस३॥ यननसाकलागकनायायदि
 य ॥ मसहिनिथाडनेशवा२॥ मध्यदिनायाकधर ॥ नममोभ्यायाभ्यानेनस्याद्वदिनात्यरेस॥ कलाभुलुनानिदि॥ मजमगायागा॥ नमवावलेनारवि २३
 ॥ न्या॥ रात्रिकागधवनेनारुदसयारसा॥ गधेमा ॥ म्यननयाया॥ वावानेहाभासइयू॥ रादिद्वन॥ रात्रिकागधवार्नया॥ स॥ गधयाम्यननयायवावा
 नलगागइयू॥ यननयाद्यद्विधविधुषयाशर्वविधदिस३०॥ यनसाकाकालदिनघवानाघमाने॥ गवइय२याडावविधदिस३॥

[illegible]

नाऽयं नामकाया लक्ष्मिद्या विद्युच्चिन्नद्विधरविमर्कं तावच्छ्रुत्वा विधाया वाक्किन्नं ह्यथा मरुत्तमा रुच्छिप्रविमर्का निघ्ननयाया वलाघनना कर्कशरधिउवाचाः
वकिन्नलीया मरुत्तमा रुच्छिप्रविमर्का निघ्ननयाया वलाघनना कर्कशरधिउवाचाः
प्रवृत्तमा लक्ष्मिद्या विद्युच्चिन्नद्विधरविमर्कं तावच्छ्रुत्वा विधाया वाक्किन्नं ह्यथा मरुत्तमा रुच्छिप्रविमर्का निघ्ननयाया वलाघनना कर्कशरधिउवाचाः
दिगाहवाः नामकाया लक्ष्मिद्या विद्युच्चिन्नद्विधरविमर्कं तावच्छ्रुत्वा विधाया वाक्किन्नं ह्यथा मरुत्तमा रुच्छिप्रविमर्का निघ्ननयाया वलाघनना कर्कशरधिउवाचाः

संतापकायालक्षिधविधिनयं (आनं सयायाव (गविनन कर्मवधाय ॥ ननाकर्मवधाय ॥ ० ॥ एथकसनासाधककदरुक्रमदकयागान्तरितननाकायनलेखन
दिकुषुपितं पुष्पायं मृत्पायनं धातुवधाय ॥ १ ॥ ननाकर्मवधाय ॥ एथकननं यावदवधाय (आनं सयायाव ॥ ० ॥ संतापकायालक्षिधविधिनयं (आनं सयायाव (गविनन कर्मवधाय ॥ ननाकर्मवधाय ॥ ० ॥ एथकसनासाधककदरुक्रमदकयागान्तरितननाकायनलेखन
गाससंरुद्धाविकनं डावकदविकवधाय ॥ २ ॥ ननाकर्मवधाय ॥ एथकननं यावदवधाय (आनं सयायाव ॥ ० ॥ संतापकायालक्षिधविधिनयं (आनं सयायाव (गविनन कर्मवधाय ॥ ननाकर्मवधाय ॥ ० ॥ एथकसनासाधककदरुक्रमदकयागान्तरितननाकायनलेखन
दिगनदिगवृद्धाविकनं डावकदविकवधाय ॥ ३ ॥ ननाकर्मवधाय ॥ एथकननं यावदवधाय (आनं सयायाव ॥ ० ॥ संतापकायालक्षिधविधिनयं (आनं सयायाव (गविनन कर्मवधाय ॥ ननाकर्मवधाय ॥ ० ॥ एथकसनासाधककदरुक्रमदकयागान्तरितननाकायनलेखन

卷之四

[illegible]

ਸਿਧੀ	ਕਿਥੀ	ਭਾਗ	ਕੁ
1	1	1	1
2	2	2	2
3	3	3	3
4	4	4	4
5	5	5	5
6	6	6	6
7	7	7	7
8	8	8	8
9	9	9	9
10	10	10	10
11	11	11	11
12	12	12	12
13	13	13	13
14	14	14	14
15	15	15	15
16	16	16	16
17	17	17	17
18	18	18	18
19	19	19	19
20	20	20	20
21	21	21	21
22	22	22	22
23	23	23	23
24	24	24	24
25	25	25	25
26	26	26	26
27	27	27	27
28	28	28	28
29	29	29	29
30	30	30	30
31	31	31	31
32	32	32	32
33	33	33	33
34	34	34	34
35	35	35	35
36	36	36	36
37	37	37	37
38	38	38	38
39	39	39	39
40	40	40	40
41	41	41	41
42	42	42	42
43	43	43	43
44	44	44	44
45	45	45	45
46	46	46	46
47	47	47	47
48	48	48	48
49	49	49	49
50	50	50	50
51	51	51	51
52	52	52	52
53	53	53	53
54	54	54	54
55	55	55	55
56	56	56	56
57	57	57	57
58	58	58	58
59	59	59	59
60	60	60	60
61	61	61	61
62	62	62	62
63	63	63	63
64	64	64	64
65	65	65	65
66	66	66	66
67	67	67	67
68	68	68	68
69	69	69	69
70	70	70	70
71	71	71	71
72	72	72	72
73	73	73	73
74	74	74	74
75	75	75	75
76	76	76	76
77	77	77	77
78	78	78	78
79	79	79	79
80	80	80	80
81	81	81	81
82	82	82	82
83	83	83	83
84	84	84	84
85	85	85	85
86	86	86	86
87	87	87	87
88	88	88	88
89	89	89	89
90	90	90	90
91	91	91	91
92	92	92	92
93	93	93	93
94	94	94	94
95	95	95	95
96	96	96	96
97	97	97	97
98	98	98	98
99	99	99	99
100	100	100	100

[illegible]

मूत्रिका नात्र तुल्यमाज्ञातस्तु तां सयनतः गतयः कान्तं विदित्वा यद्गन्तं चेददास्यादिति दममकः संघट्टा न प्रियनः मूत्रनात्रिमाथित्वान्न कः मनयकः
 मूत्रि मूत्राय मानः ॥ हारमा लायामूत्रि मूत्रय
 मूत्राव ॥ १० ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥
 कूटुआरुवतु सारुवदायूलदः ॥ १० ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

ॐ नमः सर्वज्ञाय ॥ विद्यमृचं देवता वः सदायामस्वकृदहं नमः ॥ गगनाकाशं शक्तिरिह नलावरः ॥ धृत्वं लंघ्यं धृत्वं नं गविन्दुनामानि वदतु ॥ ० ॥
 श्रीसंमुखकः कथय वद नं लघनं सदा ॥ १ ॥ मिथ्ये वायु आ वसुधा पुराण मही ॥ पश्येत्तुं कुरुति शिवः ॥ शिवलामदनीयवा ॥ २ ॥ कायिः
 निमित्तं च उक्तमात्मनः वदतु ॥ ३ ॥ शिवं च उक्तं ॥ इमां सामग्रीं नमः ॥ सत्कुरु गगनामासका ॥ इयतिरिक्तं ॥ ४ ॥ इत्युक्तं नो करे ॥ साकल्यं च
 इमां दानां नाम चक्रे ॥ इति ॥ ५ ॥ ॥ शिवं च उक्तं ॥ इत्युक्तं नो करे ॥ साकल्यं च

नयनं द्विस्तु कथय ॥ १ ॥ ॥ सामर्थ्यं च लोकत्राणि ॥ शक्तिरिह नलावरः ॥ धृत्वं लंघ्यं धृत्वं नं गविन्दुनामानि वदतु ॥ ० ॥
 ॥ १ ॥ ॥ शिवं च उक्तं ॥ इत्युक्तं नो करे ॥ साकल्यं च
 मृदगायकः कथय ॥ इति ॥ ५ ॥ ॥ शिवं च उक्तं ॥ इत्युक्तं नो करे ॥ साकल्यं च
 यकः वा ॥ इति ॥ ५ ॥ ॥ शिवं च उक्तं ॥ इत्युक्तं नो करे ॥ साकल्यं च

[illegible][illegible]

३

आठम नाम २५ ॥ १० ॥ अथर्वमयः घनाः अथर्वमं गायतृते पञ्चमवदस्ववधः सध्या दमस्य व ॥ ११ ॥ नद्यवधः निः ८ नद्यवधः निः ८ नद्यवधः निः ८ नद्यवधः निः ८
 सादेन कोलाकाः (गया चका नदि सा ११ ॥ १२ ॥ कवे द। सा नि मका सदा विंसा नि विद्वेषा
 दिवे ॥ २३ ॥ धृष्टस्नन चो नदि च धासा च धक विंसा नि ॥ २४ ॥ अथुवला विद्वेषा न अने ध विंसा नि स्थ व ॥ २५ ॥ ना वान क्रुद्य सा नि रुद्र सा नि च ८ ना व को ॥

३॥ १॥ अथर्वमयः घनाः अथर्वमं गायतृते पञ्चमवदस्ववधः सध्या दमस्य व ॥ ११ ॥ नद्यवधः निः ८ नद्यवधः निः ८ नद्यवधः निः ८ नद्यवधः निः ८
 सादेन कोलाकाः (गया चका नदि सा ११ ॥ १२ ॥ कवे द। सा नि मका सदा विंसा नि विद्वेषा
 दिवे ॥ २३ ॥ धृष्टस्नन चो नदि च धासा च धक विंसा नि ॥ २४ ॥ अथुवला विद्वेषा न अने ध विंसा नि स्थ व ॥ २५ ॥ ना वान क्रुद्य सा नि रुद्र सा नि च ८ ना व को ॥

दिक्कायकवाग्रमुसमुहवर्तुमिहःप्रियिकनसुधाकेनः॥ ॥ लिकने॥ ॥ धडनवीरुलागयामिहकप्रियविप्रियनरुधनवेग्यामायातिगज
 ह सुद्राविप्रियन॥ ॥ लिकने॥ ॥ धडनवीरु
 रुवायसनिस्तुते॥ ॥ लिकने॥ ॥ धडनवीरु
 निक्किलेहवाधमवःमिहकियास्वानमवननैरागः॥ ॥ धडनवीरु
 मयमिहस्वानावधयवागजिवाकेकधसमाकनलिकलाकारियन॥ ॥ लिकनेकर्म॥

१ तु नमः नूयाम ॥ सुयग्रसुदीकामाह ॥ या गदका सुयग्रसं विधि ॥ चरमिआदिनदीर्घवाङ्मया ॥ नूयग्रसुदीकामाह ॥ निविद्रुह
 सुयग्र ॥ जूकीन चरुजादियं गनगस्य ॥ जूमावास्यायवोक्तशायशय ॥ जूकीन चरुजादियं गनगस्य ॥ गनमिक्कलाकार्य ॥
 धुविकलानमयचंद्रवाहुरुकिगुणवि ॥ कलासहितनविकलाधन ॥ १० धीभासरागुरुकावधि ॥ १० गुणयदानराग
 विकलासहितन धुलवीरुलनामयय ॥ ॥ धुलनसुयचंद्ररुहसथायवाहसर्गन ॥ ॥ मलिक्कासिद्धि ॥ ॥ धुलकीनलनस
 धुलनसुयचंद्ररुहसथायवाहसर्गन ॥ ॥ मलिक्कासिद्धि ॥ ॥ धुलकीनलनस
 धुलनसुयचंद्ररुहसथायवाहसर्गन ॥ ॥ मलिक्कासिद्धि ॥ ॥ धुलकीनलनस

बडलुनदक्षिणादिशायाय ध्वननुक्रमनशा ॥ विरुललसुशया ॥ ध्वविहुरुलसुमडरुवकममिकाकिस्व १०२७ नशायाय शाल
 दिराग १०० लविद्यठिविद्यठि ॥ लशाय कुमधाय ॥ विहुरुलसुसवागमथाय थायासडरु १०३ वदक्षिणदिशायाय
 १ थासडरु १ क्रमकुसिनवादिस्व ३२ न शा राग १०० लदि ॥ लसुडीवाधाय ॥ ध्वडीवा १००२ गुणले राग १० लवि
 लसुविश्वधाय ॥ लशायकुमलसु ३३ वि कयवाडदिशानदिशरुसुनायमु १०६ हि नदिह वस १०७ थाय ॥ ध्वनरु १०८
 क्रमधाय ॥ गलदीयादिशानदिश २३ आय ॥ वाया दक्षिणादिशरुवस जो निस २३ न न न न न न न १०९ था डरुव रुव सथा

धथायाविश्वधाय ॥ इतिविश्वनशा ३ निसथायथायासवडरुवकुमममिनवादिस्व गुणरागलवि ॥ कयधाय ॥ नृयधि
 रुकि १०२१ सवि १० गुणधुदवयवि १० गुणर्यदान नृयधि रुकि सधुदनरागलवि द्यठिरागलसववि १० गुणन भवका
 लवि विकलाशया ॥ रुलवाय ॥ विहुरु लसुवासुशवा ॥ ध्वनोडा न थाय थायासडरुवकुममिन नवादिस्व १० नशा
 रागलवि ॥ लशाककुडीवाधाय ॥ लशा लशाकीनवडीवास १०६ विकलानन नरुलसव सवि १० गुणविकलानन
 १०६ लशाककुडीवा सुरुलन रागकाय ॥ लवि लसुन ३४ ॥ वक्रिकाशासडरुवा १०६ गुणलसुनधाय ॥ वक्रिनलीशवसधनल

दि

न धाय ॥ मालमुनरु काल अवायाद्यदि द्रवा नथायथाया लमुनानि क ॥ धु धाय ॥ धनलमुनरु नय वी कस नर ले न डालमुनयनः
०० धु मि धि धाय ॥ धन कम न वारं वार ल मुन धि वमरु डाल मयाथ ॥ लमुन नरु मातु कि मूयन ॥ मूयन नरु मातु कि मूयन ॥ २
दि विद्यदिय था नरु मया स लमुन द्यदि वि द्यदि न धं (था नरु द्यदी नरु को थु नरु विकला नमुन धा पि ०० धु नरु द (था मू यवः
धु विन व धु न धं मा थ धु सम (० मू डका स धु विन व धु न द्यदि विद्यदिरु ल धाय ॥ मूयन नरु मातु कि मूयन ॥ धु धाय ॥ धु धाय ॥ धु धाय ॥
न मालमुनरु काल समलिया मू यन नरु मातु धाय नरु नरु नरु काल मयाथ धु नरु कम नरु समलिया रुय लमुन धि वमरु डाल लो

न धाय ॥ मालमुनरु काल अवायाद्यदि द्रवा नथायथाया लमुनानि क ॥ धु धाय ॥ धनलमुनरु नय वी कस नर ले न डालमुनयनः
०० धु मि धि धाय ॥ धन कम न वारं वार ल मुन धि वमरु डाल मयाथ ॥ लमुन नरु मातु कि मूयन ॥ मूयन नरु मातु कि मूयन ॥ २
दि विद्यदिय था नरु मया स लमुन द्यदि वि द्यदि न धं (था नरु द्यदी नरु को थु नरु विकला नमुन धा पि ०० धु नरु द (था मू यवः
धु विन व धु न धं मा थ धु सम (० मू डका स धु विन व धु न द्यदि विद्यदिरु ल धाय ॥ मूयन नरु मातु कि मूयन ॥ धु धाय ॥ धु धाय ॥ धु धाय ॥
न मालमुनरु काल समलिया मू यन नरु मातु धाय नरु नरु नरु काल मयाथ धु नरु कम नरु समलिया रुय लमुन धि वमरु डाल लो

यडरुनडाया ॥ रुहरिर्क घयादिगुनदिगड थो गोसइय ॥ धनहीवदुयुहणीयाथेवृ मृययनालवदय माटावायाय ॥ इयायादाहृय
 यमानवदयुमाठावामर्न मृहाजदयाय यादाय माठायागादवाय ॥ धयमानथागादस रुहरिके नयाय थायाहृनयमानवाय ॥ था
 रु यमडातमायासमडडाया ॥ हृनयमानयाज विवमृययमानइकमरवठयास ॥ नमान ॥ मृययमानयाजाधिकहृनयमानइका ३
 ल सर्वगासममाधिके धजगकमसथ ॥ हृन डादश ॥ २ गुणिक मृयमामर्नरुगमादयत ॥ जायमगुलका शासिडादगमिल
 यमानतः ॥ मृययमाठावदयमानजदयन धयथानर्क थोमानथेथागुण कोथनकोथगु गुण कोथयविरनधन दधमदममम मरुना

मृहनाव मरुिनधर्क थोमाठावविकला लदधमथायोमून धननयुववगसथ ॥ रुदेववगवेथथेइयायायडाया ॥ स्वेठगासम धनडा ॥
 सर्वगासमडुनवगेश्वा मात्वडाया ॥ डनवगेश्वा मृययमानवदयमानजदसथेवथेथेठादामर्नयायथो यासडथेववगेश्वायाय
 यादाडुनवगेश्वाय ॥ युववगसिलिद्धवगने थायथायासलिविदित्य विषम सम विषमसम विषममलात्ये लदिव्वतडावडा
 नरुकाकाय रागणयथानय छडगुणयून रुगलदिविदिवृ वृनरुग वरिष्ठगुण सवविकला ॥ धननयवदवाजडाया ॥ धय
 दसवविष्ठगुण यूनवविष्ठगुण थिरुक्कनरुगकाथे रुगलदिविदिवृ वृनरुग वरिष्ठगुण रुगलदिविदिवृ लडाया ॥ धननमथे

[illegible][illegible]

युक्तं च विदुः कलौ नान्यद्विदुः कायाऽस्ति रिशुविह्वयं युक्तं कर्मकावयन ॥ गजआवाहवैश्वर्याणां यथन ॥ गजवद्वेदावमधर्मरुवति ॥
संभववैश्वर्यावमधर्मन वंदमधर्मभा ॥ ५ ॥ गजवद्वेदकन्दमधर्मरुवति ॥ निधिमधर्मममायः ॥ तत्कालवैश्वर्याविकलाविधुस्रुगगगाग ॥
६००० लक्षिसिद्धिनर्तकावननक कर्मस्थायिकाइ ॥ १० ॥ गजवद्वेदकगविकलावाय ॥ धर्मगतविकलावमवैश्वर्याविकलाविकाय ॥
दिविद्यदिविद्य धर्मननक कर्मगतदिविद्यदिविद्यदिविद्यदिविद्य ॥ २० ॥ गजवद्वेदकगविकलावाय ॥ धर्मगतविकलावमवैश्वर्याविकलाविकाय ॥
गजवद्वेदकगविकलावाय ॥ ३० ॥ गजवद्वेदकगविकलावाय ॥ धर्मगतविकलावमवैश्वर्याविकलाविकाय ॥

[illegible]

१॥ गुरुद्वयं २० व्यादि ॥ गुरुद्वयं ३० व्यादि ॥ गुरुद्वयं ३० व्यादि ॥ गुरुद्वयं ३० व्यादि ॥
वैकसर्गं १० व्यादि ॥ गुरुद्वयं ३० व्यादि ॥ गुरुद्वयं ३० व्यादि ॥ गुरुद्वयं ३० व्यादि ॥
कलाटीवृकोत्थं ३० व्यादि ॥ गुरुद्वयं ३० व्यादि ॥ गुरुद्वयं ३० व्यादि ॥ गुरुद्वयं ३० व्यादि ॥
१० लक्ष्मणं ३० व्यादि ॥ गुरुद्वयं ३० व्यादि ॥ गुरुद्वयं ३० व्यादि ॥ गुरुद्वयं ३० व्यादि ॥

ज्ञानसावाय ॥ षष्ठान काज्ञवसा म ७४॥ थंज्ञवसा धन ॥ षष्ठान थंज्ञवसा म १२०० साज्ञवथ ॥ मज्ञवसा ममाल ॥ अर्थनिखंठका
 य १०० धन रागलद्धन र्वंठसंका दार्वं ठववसाडावुर्जं क झा ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥
 याज्ञवसा कमधाय ॥ थंथायाज्ञवसाड कमधाय ॥ गेधसर्जं क झा न गु ॥ राग १०० लद्धन कमज्ञवसा रं न डकु
 मज्ञवसा थाय र्वंठसडा ॥ अर्थनिगु १० राग १० लद्धन द्वा धन ज्ञवसा रं न जलज्ञवसा थाय १ धन नयथमकम



17
940450

मृ म ध

रसां धानि मला ना ठ म क वे स क य व य मृ घा सं द नितं या गंद या त्वा त्वा त्वा द्वि ना ॥ पु त्त य वे द श धे व मा ध ना मा ध का कि ना ॥ य कं द नं ध नं मि धं
कि य क यो च क र वि का न नं ति न्य स द य म य मृ या नि कं पु त्त य वे द श धे व दे य ना मा ध का कि ना ॥ ता डि नं ति न्य या त र म दि
तं गु ला त द तं य क व जि तं स्या तं व व दं मृ द पु न्नि का ॥ ३७ को व स्य ना मा नि ति द श नि य को कि ना ॥ इ दे ना शः
हं तं र कं द्वि न मा धा ति वि लि यि का ॥ म र्थि ता व क ल दं व तं उ ज क द म ति च धु द का व स्य ना मा नि ति द श नि य को कि ना ॥ ४ ॥

श्रुताः ॥ प्रथमकर्मसिंथाय गी धनमद्वातसाधन ॥ २०० तं न प्रथमकर्मसिंथकनवायमद्वातसावाय मद्वातसाममाल ॥ अर्थे नि
मलाधनसाय ॥ सां ज य प्रथमकर्मया ॥ थं वृ खं उ का य प्रथमकर्मया ॥ थं १३० १११ ११० १३३ १२२ १२१ १२१ ॥ वि ला य ध र क
खं उ स था व दा स खं उ स का क वि नं न ॥ थं य स गु ण ३ रा ग १०० धनलद्धने खं उ स र्था स तं न ॥ अर्थे नि खं उ तं ॥ क स व व सा
क स खं उ तं धन वृ खं उ श्र या य ध र न स क ल ता व प्रथमकर्मया ॥ थं श्रुताः ॥ तं न था य प्रथमकर्मसिंथा ॥ ध र न रु ण सि ध

[illegible]

सथाय १ धदिन वृंद सनिर्वृत्त न न भथाय १ अस्त १ उदय इय १ अर्द्धवक्र इव दाव १ वक्र १ वस १ अर्द्धवक्र थाल थर्वद मद स्थि थर्वद
समवक्र गार्थे धाया न दा अर्थे धाया य ॥
८ १ शुक्रया ८ १ धूर्व उदय १ य अस्त इय
१ ॥ १० ॥ दिन रुद्रि द्वयक ॥ द्वि १ गम मध्यम द्वयका र्थे १ प्रवक्र न न भ ममाल १
गीय या दिन रुद्रि वृद्धि गार्थे न गा क ख १ रुद्र रुद्रि द्वयक १ दिन रुद्रि सगुण १ १ अर्ध ध्यान गुण १ राग १ ००० लक्ष न द्वा यी

ॐ कमजवसागंभ कमजवसायाय ॥ दिन रुद्रिग ॥ धन नर्मद रुद्रिग ॥ मीद रुद्रिग ॥ घ रुद्रिग ॥ सयायाव ॥ गायस ॥
 घान रुद्रिग ॥ ल द स रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥
 कमजवसागंभ ॥ मीद रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥ धन नर्मद रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥
 व व या क व क द य क ॥ ग ॥ स रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥ स रुद्रिग ॥

राग १२०० ॥ गाय क व क ॥ गाय क व क ॥ दिन रुद्रिग ॥ राग १२०० ॥ गाय क व क ॥ राग १२०० ॥ गाय क व क ॥ राग १२०० ॥ गाय क व क ॥
 रुद्रिग ॥ गाय क व क ॥ गाय क व क ॥ गाय क व क ॥ गाय क व क ॥ गाय क व क ॥ गाय क व क ॥ गाय क व क ॥ गाय क व क ॥
 १२३१११ ॥ १११ ॥ १११ ॥ १११ ॥ १११ ॥ १११ ॥ १११ ॥ १११ ॥ १११ ॥
 १११ ॥ १११ ॥ १११ ॥ १११ ॥ १११ ॥ १११ ॥ १११ ॥ १११ ॥

ऊजादीनाखडकददव
मंदकर्मधा भीष्टकर्मधा
धनमाखडकददव ॥

[illegible][illegible]

यदि नवदसराग ३०० धनदिनयिनरागकायालद्धिद्यद्विद्विद्यसथाय गायनजीगावकवकसर्गन ॥ दिनवृंदसराग ६८ गायसमुदा ३०० राग २२
 धनरागकायालद्धिद्यद्विद्विद्यनवकवकसर्गन ॥ दिनवृंदसमुदा ३०० राग १० इयदिनवृंदसराग ३३ लद्धिद्यद्विद्विद्यनसाकनरागकाया
 लद्धिसथाय ॥ गायनजीगावकवकसर्गन ॥ दिन वृंदसमुदा ३०० राग ३३ लद्धिनर्थथासर्गन ॥ इयदिनवृंदसराग १३० लद्धिद्यथा
 नलवृगर्गन ॥ इयधनवृगु कवकसर्गन ॥ दि नवृंदसराग ९० लद्धनगानिकवकसर्गन ॥ दिनवृंदसमुदा १०० कामावधन १०० थाय १००
 यमराग १०० लद्धिनर्थथासथाय थिराग ३ लद्धिद्यमममम ॥ अष्टम ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ अंगानादिनथवमममसर्गन ॥ म

दकंदंरुवदि ॥ धर्मदकंदसगागिखूनद्ध १२२ ॥ म ॥ गायनजीगावकवकसर्गन ॥ १०० लद्धिद्यद्विद्विद्यराग १०० लद्धिद्यद्विद्विद्यराग
 १०० लद्धिद्यद्विद्विद्यनसर्गन ॥ रुरुलस अंगका
 वसाधन ॥ मघादाविद्यादि ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ धनाग १०० लद्धिद्य ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ अंगानादिनमिदरुलसमुदा ॥ राग १०
 अंगानादिनलद्धिभघादिम ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ अंगानादिनमिदरुलसमुदा ॥ राग १०

मादिम०१४१ बुलादिधन॥ गी॥ घृकृदयववागिगठ नरुविघृकृरु यी॥ नरुमद॥ रुरुगुगु०० त्यादि०१ रुकृदि०० त्यादि०॥ वषु०० त्यादि०॥
 दि यदवक्त्यावि त्यादि०॥ अगावयावकनव काईलायुमास १३१ व २ व १५१ १०५१ मासादिस्वगी घृकृदयववागिगठ॥ १२० २
 ०॥ वागिगठकाई॥ धलावावयास्यलायु॥ व घृदि॥ अगावयागी घृकृदयववागिगठकाई॥ लाकादिन००॥ रुवजसु लिव घुड॥
 वयया॥ दिन १० रुव यजसु॥ लिव घुड॥ शुक्रस्य॥ दिन ३१ रुव यजसु लिव घुड॥ गन००॥ दिन २१ रुव यजसु लिव घुड॥ अ

गानकादीनास्वगी घृकृदयववागिगठकाईदिन॥ दिन रुव वक् लिव वस॥ व दिन रुव १२ वक् लिव वस॥ गीदिन २० रुव वक् लिव
 वस॥ शुदिन २३ रुव वक् लिव वस॥ गी दिन रुव ०१ वक् लिव वस॥ नर्वरुगुगु०० त्यादि०॥ वययाथववकाईगी घृ
 कृदया वकाईलाकादिनकृदुन॥ १० रुव य जसु लिव घुड॥ शुक्रयादिन ८ रुव यजसु लिव घुड॥ धनगुरुयास
 माय०॥ उदयासुविधि॥ मंदकर्मथूनदावर्मदन गी॥ घमथाय थायमदातसा द्वादश १२ वागिनमंदावथाय लायमंदायगी

गानकादीनां शिष्याः कथं न्यस्य या शिष्याः काद्विदिनः ॥ दिनं कुरु वक्र लिख वक्र ॥ वृ दिनं कुरु १२ वक्र लिख वक्र ॥ श्री दिन २० कुरु वक्र लिख
 वक्र ॥ शु दिन २३ कुरु वक्र लिख वक्र ॥ १० दिनं कुरु ११ वक्र लिख वक्र ॥ नव वक्र ॥ विद्यादि ४ ॥ वक्र याथ वक्र काद्विदिनः ॥ शिष्या
 कथं न्यस्य वक्रादि लाकदिनं कुरु न ॥ १८ कुरु वक्र जसु लिख वक्र ॥ १९ कथं दिन १८ कुरु वक्र जसु लिख वक्र ॥ २० कथं दिन १८ कुरु वक्र जसु
 माय ४ ॥ उदयासु विधि ॥ मदि कर्म भूत नदा वर्मदन शिष्या मथाय थाय मदातसा द्वादश १२ नागिन मंदा वथाय लाम मंदा नगी

विवावाक नि ४ ॥ वद मय सु मवर्दिन वृत्तु ४ ॥ सु मय शिष्या नाया सु मय न विदिधा वग मय निष्ठु निथाया ४ ॥ व ॥ लार गुरु सद उ वृ य माथो मो म्य शुक्र पुन नावल यका ४ ॥
 सु मय यदिन ना मय विगी सा गवा मय माना वम भक्ति ॥ याया सु मी था दिव क गिन लो डा वा विल म्ने मृ गला वृ ना म् ॥ यथा द्य म न म्य धर्न विष्टु नां कर्तृ क ध्व चिव या नि ना शि ॥ व
 ५ ॥ सु मय द व गु यो विल म्ने शुक्र लू था ४ ॥ क मे लि लार गे क्के ॥ मो वा व था ॥ लो ग था ४ ॥ यथा ना नृ य ४ ॥ सु मय नि व शा मि ग गृ न ॥ सु मी विल म्ने य दि वा ग ग कि व व व व क
 म ग म क्के शु ४ ॥ गिन लू था व व म्ने सु मय ना यो ग उ नि की व म्ने ना नि धरु ॥ यथा गि वा ल ग्ना ग म व शोधे व का द शा ॥ थो य ग मे यि या सा ४ ॥ वि दार्ये न ग क व ली म मे ना क ध म्मा य था दि
 सु म मे य ग कि ॥ यथा द या सु वि व रु मि म्ने ४ ॥ शु क्ति गि था गा व क मो म्मा मो वा ४ ॥ दि व द ल म्ने व द ना नि क म्ने का ना नि का ना न व ला क र्थ नि ॥ ल म्ने वि ध मो य द शा वि गे य गि

॥ यद्वा दृष्टव्यं तस्य गद्यं तद्विषयं विविधं यादिकं संयुक्तं मधुना द्युतं विविधं दुर्लभं यथा गच्छति ॥ १ ॥ यथा गमनं मूढं वदन् वदन् दिव्यं श्रुतं ॥ २ ॥ रत्नं च यत्नं न स मूढं नास्ति
गद्यं रुच्यं गानं विविधं निमानं ॥ ३ ॥ लघुं पुनर्वदन् वदन् गृहं वदन् वदन् जम्बू मष्टो कृष्णं कननं थो दिनं कृत्स्नं यथा ॥ ४ ॥ चंद्रश्च यन्मदं गमा रुवन् दिव्यं यादुःखं स्यान्निवाञ्छितं रुल्लानि वलनं नृपत्य
॥ ५ ॥ लघुं लघुं यविषु लान् गनं ॥ ६ ॥ क्रमं गजं वाकिं लोमं वविनं रुं गुडं
नरुं रुल्लं गेदिनं रुं शुभं गीतं कवे ॥ ७ ॥ नरुं वल्यं वथा निमृषा रुवि
रुगं गीतं वधुं ॥ ८ ॥ विषु वनिनं नरुं मरुं सानां ॥ ९ ॥ शुक्रं वाक्कं विवृं धेद्वेन मधुं मधुं मधुं गनिनिलं श्रु ॥ १० ॥ निदं नानुयति विवृं कृता थो धेनं नय वददीनं विनिगृह्य ॥ ११ ॥ मृत्तिं विरुं मरुं
जम्बू मष्टिं ॥ १२ ॥ शुक्रं वदन् विरुं निगमं वधुं यथा यथा यानं समर्थं वसानं नरुं स्यान्निरुं न विगं रुव ॥ १३ ॥ मृधं नुवलं वजिं नो वलं यत्नं जम्बू मष्टिं यत्नं यत्नं दं गमं विवा गं गि मृत्तान्

श्री ॥ अत्र निमुखदिगी ॥ दिक्कयतो मृत्तिभवं वृत्तिरियदियथेष्टं द्यावृत्त्या रुद्रयाता ॥ एकनवावृत्तु रुद्रस्यति रागवाना ॥ था ॥ गोरुवन्नवमयवमकठुकल्लु ॥
 द्वाष्ट्याविदेनिमूनय ॥ यतिथा गभवथा गा निगममथ रुचिर्वदिशीति ॥ कल्याणनाममचिवायु जनायुधाय देवहू विषजनकाश्च ॥ किमथा मृत् ॥ द्वा विगर्त
 किनिरुल्लनृयनियदानि गत्वावथा श्वनवनीदि ॥ अथेष्टयथायानु ॥

तकि जीवन्मुक्तं कुरु ॥ सार्कं वधे वा विवर्त्त विरुद माया किमु धी विष्णु भविष्य कुरु ॥ न कान्त वरु कुरु ॥ आदा सोम्य सिद्धि मय्य सवाहु शार्वा ॥ यध्वं सनवीन
 विनाङ्ग नय वशा विधा कुरु ॥ वध्वं वय ॥ न कान्त वयदि गता रुव न वय द्युष्टु सिद्धि मय्य सवाहु शार्वा ॥ यध्वं सनवीन
 न गदा वध द्या दया ॥ ४ ॥ कुरु युरु मद्रु युवु गम नमदि नो यदि नैष य द्युष्टु ॥ कुरु युवु यदि वगि कभ क गनी समर्थ ॥ मव वा उव रुति रुदा ॥ वध रुति
 वम धा गन हि मा ॥ गो दि वृ को य गन वन्य ॥ ४ ॥ वव स न ॥ वव रुति दि शी यदि वानु गन ॥ युवु न य मय नि मा रु व नि ॥ गणि नि व रु थै गृह समु य न व व
 सदि न कुरु युवु ॥ गम न म वा य य नि म नू जाना जय नि विष्टु न समर्थ ॥ विने व ॥ विष्टु नि व न विल ग्रे अदि य ह लारु गे वा वल व नि रु व न ॥ गरी गि री ग रु य

१ नागि कुरु न न कुरु ॥ १० ॥ नागि गुण ३० ॥ मृग न न न यु न यु ॥ १० ॥ घटि न न न थन द्युष्टि धि पु मा य ॥ १० ॥ नाग ६ ल वि विष्टि ॥ न क रु रु न स गि रु ॥ १० ॥
 गुण ६ वि घटि न र्य द्युष्टि स थं न ॥ १० ॥ यु न र्य ३० ॥ थन न ना म्या दि ॥ १० ॥ य रु रु न न रु रु ॥ १० ॥ गुण २ मृग ३ ले वि घटि वि घटि ना व ॥ न क रु रु न स गि रु ॥ १० ॥
 गुण ३ ना ग र ल वि घटि वि घटि ना व ॥ १० ॥ य रु रु न न नागि रु ॥ १० ॥ गुण ३ मृग १० ॥ नागि म मा ल मृ ग द्युष्टि ना
 दिन मा नू द्य ॥ नाग रु ॥ १० ॥ दिन रु द्य मृ रु ना य क था या व रु दि क रु व वा य रु रु ना य द्युष्टि ना ग ३० ॥ ल वि घटि मृ गु न र्या थ न र्य ३० ॥ नाग रु रु स थ र्य ३० ॥
 न रु रु थ थ को मृ न नाग का या ला व रु दि वि व रु ना य ॥ १० ॥ नाग रु रु स थ र्य ३० ॥ नाग का या ल वि व रु ना य ॥ १० ॥ नाग रु रु स थ र्य ३० ॥
 नाग २० ॥ ल वि घटि ना ग रु ॥ १० ॥ नाग २० ॥ ल वि घटि ना ग रु ॥ १० ॥ नाग रु रु स थ र्य ३० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 सायकालमस्तु नमो भगवते ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 नमो भगवते ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 यविकलाननं नमो भगवते ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 कृत्यकालमस्तु नमो भगवते ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 सायकालमस्तु नमो भगवते ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 नमो भगवते ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 यविकलाननं नमो भगवते ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 कृत्यकालमस्तु नमो भगवते ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥